



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पुचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धर भूमि	8.11.23	12	3-6

टीम ने शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

■ भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को सुरक्षित बनाने का प्रयत्न रहेगा जारी : कुलपति

हरिभूमि व्यूज ॥ हिंसा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी के पूर्ण कुलपति डॉ. बी. वैकटेश्वरु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुखिया डॉ. ऋषि, यूएएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एसपाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीबी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, डीडब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी यदुराज, एनबीएआईआर बंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंदिश



हिंसा। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर कामोज ने बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्यों।
फोटो: हरिभूमि

निरीक्षण के बाद कुलपति से किए विचार साझा

टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कामोज से मुलाक़ात कर उनके उपस्थित निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी. वैकटेश्वरु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उसके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इनके उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध कराई जा ही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वासन दिया कि किसानों की सुरक्षाओं के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अर्थात् राष्ट्रीय देश व विश्व को मिल सके। कुलपति ने क्यूआरटी टीम के सदस्यों को शील एवं स्मृति चिह्न देकर सम्बोधित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्णल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

आरबल्लाल, सिरसा के सीआईसीआर के पूर्व मुखिया डॉ. डी. मोना, सीआईआरसीआईटी मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. जे. रोख, सीआईसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के. के. श्रीवांगाने,

परीक्षणों का किया अवलोकन

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों का गहन अवलोकन किया। सुरक्षा एवं फसल कृषि के अंतर्गत लवंग अणु प्रौद्योगिकी का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र का विस्तृत ब्रीफ टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्णल मलिक, डॉ. शिवराज पुंजिर, डॉ. निखली सजयशिरा, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. सोमवीर, डॉ. लक्ष्मी कुमार, डॉ. मिश्रा जटाव, डॉ. अमित व डॉ. सुभाष लाल उपस्थित रहे। वे क्यूआरटी टीम को उनके द्वारा हुए वैज्ञानिक कार्यों व शोध के लिए तैयार की गई योजनाओं से अवगत प्रस्तुतियां दीं। इन मौकों पर कपास अनुभाग के धरिष्ठ वैज्ञानिकों वैज्ञानिक डॉ. एम्बारत चौहान व डॉ. आरपत अलखन ने संबोधित रहे।

सीआईसीआर कोचंबटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसमनिक्कम शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब 2 सरी	8-11-23	4	1-3



हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्य।

हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्यू.आर.टी. टीम ने की समीक्षा

हिसार, 7 नवम्बर (ब्यूरो): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यू आर.टी.) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। इस दौरान बसंत एवं नूपक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.वेंकटेश्वरु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. जॉर्ज, यू.ए.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एन. पाटिल, नई दिल्ली के एन.आई.पी.सी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भदट सहित अन्य वैज्ञानिक

शामिल रहे। क्यू आर.टी. टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत बयान टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्णेल मलिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सैनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी काटन, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लांबा ने क्यू आर.टी. टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयारी की गई योजनाओं

से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के चरिष्ठ स्थानियुक्त वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. संगवान भी मौजूद रहे। क्यू आर.टी. टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। कुलपति ने टीम को आश्वासन दिया कि किसानों की खुशहाली के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नशील रहेंगे, ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा, अपितु संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्यू आर.टी. टीम के सदस्यों को शील एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8-11-23	2	5-8

एचएयू में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांबोज के समक्ष वैज्ञानिकों ने भविष्य के लिए की गई योजनाएं प्रस्तुत कीं

माई सिटी रिपोटर

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवर्षीय समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया। क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परियोजनाओं का अवलोकन किया।

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्रिफिंग टीम को दिया। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीबी



एचएयू में कुलपति प्रो. बीबी कांबोज से बतवर्षीय करते समीक्षा टीम के सदस्य। (आर. शर्मा)

कांबोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक सहित अन्य वैज्ञानिक

कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं।

इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एमएम

चौहान, डॉ. आरएस सांख्यान, बसंतलाल नयक मण्डवाड़ा कृषि विधानीय, परभारी के पूर्व कुलपति डॉ. बी.के.के.शर्मा की अध्यक्षता में आई टीम में सिरसा के सीएसडीसीआर के मुखिया डॉ. कृषि, एमएम घोरवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत, एम पाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीसी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, डीएचएयूआर जयपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी गदुराजू, एनबीएआईआर बंगलूरु के पूर्व निदेशक डॉ. चंद्रश आर बल्लाल, सिरसा के डॉ. डी मीना, डॉ. जे लख, डॉ. के वेन्मोरीगने, डॉ. एम मनिक्कम शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्ज्वल समाचार	8.11.23	5	1-4

हकृषि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हिसार, 7 नवम्बर (विश्वंकर वर्मा): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। अखिल भारतीय कपास अनुसंधान विभागाध्यक्ष, पटना के पूर्व कुलपति डॉ. बी.के.के.एम्बरु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सी.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. ऋषि, एम.एस. धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. लोकांत प्रसन्न, नई दिल्ली के एन.आई.सी.सी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट, डी.एल्.ए.आर. गढ़वालपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एन.टी. पदुरानु, एन.बी.ए.आई.आर. बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डॉ. अरविश आर.कल्लाल, सिरसा के सी.आई.सी.आर. के पूर्व मुखिया डॉ. डी.मोहा, सी.आई.आर.सी.ओ.टी. मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. दे.शेखर, सी.आई.सी.आर. नगरपुर के प्रमुख



हकृषि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते हुए पंचवार्षिक समीक्षा टीम के सदस्य।

वैज्ञानिक डॉ. के.के.वेल्पोटगाने, सी.आई.सी.आर. कोयंबटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.पनिक्कर शामिल रहे। क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सप्ते शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परियोजनाओं का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्यौटा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ.

कर्मल पतिवक, डॉ. शिवराम पुंखर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सेनी, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनारजी जाटान, डॉ. अजित व डॉ. सुधम लाला उपस्थित रहे। क्यूआरटी टीम को अगले वर्ष हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए संचालन की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान व डॉ. आर.एस. सरोजान भी मौजूद रहे। क्यूआरटी टीम ने

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उत्प्रेरक निर्देशन के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.के.के.एम्बरु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और उन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध कराई जा ही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। जिस पर कुलपति ने निरीक्षण टीम में शामिल समस्त सदस्यों का आभार जताया। साथ ही कुलपति ने टीम को आश्वासन दिया कि किसानों की सुलझावती के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नरत रहेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शोध का लाभ न केवल हरियाणा अर्थात् संपूर्ण देश व विश्व को मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्यूआरटी टीम के सदस्यों को शालि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल पतिवक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.11.23	3	6

एचएयू में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा



हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम क्यूआरटी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहाँ जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी के पूर्व कुलपति डॉ. बी. वेंकटेश्वरु की अध्यक्षता में टीम आई।

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगभग परीक्षणों का अवलोकन किया। जहाँ कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का खूबीय टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में हुई बैठक में भाग लिया। इसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मात मलिक, डॉ. शिवराज पंडीर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सेनो, डॉ. सोमवीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लंबा उपस्थित रहे। उन्होंने क्यूआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियाँ दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के चरिटा सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान व डॉ. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में विचार साझा किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

दैनिक जागरण

8-11-23

5

1-4

एचएयू के शोध कार्यों और सुविधाओं की सरहाना की

जयपुर संवाददाता, हिंसार: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जूरी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नावक पराठनाड़ा कृषि विद्यापीठ परबनी के पूर्व कुलपति डा. बी. वैकटेश्वरु की अध्यक्षता में टीम पहुंची। इसमें सिरसा के सीआइसीआर के मुखिया डा. ऋषि, यूएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डा. श्रीकांत एस पाटिल, नई दिल्ली के एनआइपीसी में प्रमुख वैज्ञानिक डा. एसआर भट्ट, डीहब्ल्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डा. एनटी यदुवण, एनबीएआइआर बेंगलुरु के पूर्व निदेशक डा. चंद्रिस आर बल्लाल, सिरसा के सीआइसीआर के पूर्व मुखिया रा. डी. प्रोगा, सीआइआरसीओटी मुंबई के पूर्व

● हकूवि में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

● वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्योरा टीम को दिया



मुंबई में प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति लुवास प्रो. विनोद कुमार वर्मा।

● निदेशक डा. जे. रोख, सीआइसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डा. के. वेल्मीरीगाने, सीआइसीआर क्वेबेकॉन्टार के प्रमुख वैज्ञानिक डा. एस. मनिक्कम शामिल रहे। क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार

के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया। कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ब्योरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डा. कमल मलिक, डा. शिवराज मुंडेर, डा.

शिवानी मानधनिया, डा. अनिल कुमार सेनी, डा. खेमवीर, डा. संदीप कुमार, डा. मिनक्षी जाटान, डा. अनिल व. डा. शुभम लांबा उपस्थित रहे। विज्ञानियों ने टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के धीरू सेवनिवृत वैज्ञानिक डा. एमएस चौहान व डा. आरएस सांगवान भी मौजूद रहे। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीजरा काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डा. बी. वैकटेश्वरु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कृषि	8-11-27	1	2-5

एग्री टूरिज्म सेंटर को मिलेगा नया लुक, कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को मिलेगा बढ़ावा

हिसार, 7 नवम्बर (ज्यूर): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री टूरिज्म सेंटर (कृषि पर्यटन केंद्र) को नया लुक देकर आकर्षण का केन्द्र बनाया जा रहा है। यहां पर 350 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ओपन एयर थियेटर भी होगा, जिसमें स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारी मिलेगी।

इसके अलावा पेड़ों के साथ प्रकृति का नज़ारा लेने के लिए ट्रे-हाउस बन रहा है। साथ ही यहां एग्री टूरिज्म थीम पार्क बनाने का काम भी चल रहा है। इस थीम पार्क में हरियाणवी संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। इन सबके साथ इस कृषि पर्यटन केंद्र में इंफोरेटिव वाटर फूल व मूचना केन्द्र का भी निर्माण किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि पर्यटन केन्द्र स्थापित किया गया है, जिसमें बॉटनीकल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एकादिक प्लांट गार्डन शामिल हैं। इस केन्द्र को स्थापित करने का



कार्य करते कारीगर व (इनसेट में) एग्री-टूरिज्म सेंटर का गेट ॥

एग्री टूरिज्म सेंटर को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। साथ ही एग्री-टूरिज्म पर्यटन के लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों को प्रेरित करना है। इसके अलावा स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थियों को जैव-विकास के बारे में ज्ञान का भी अवसर मिलेगा।

—**डॉ. बी. आर. कश्यप, कुलपति, हकृषि**

मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक

से अधिक लोगों को जागरूक करना है।

साथ ही एग्री-टूरिज्म पर्यटन से लेकर शैक्षणिक मूल्यों के प्रति दूसरों



को प्रेरित करना भी है। जैव-विविधता वाले लगभग 500 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकती हैं।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाप्तर पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हार मूला	8.11.23	9	1-8

युवाओं की कृषि क्षेत्र में रुचि बढ़ाने के लिए हकृवि में बन रहा एबी-टूरिज्म सेंटर

हिसार की ख़बरें

कृषि विश्वविद्यालय और पंचसह शरीर शिक्षा विभाग ने युवाओं और विदेशी जैविकी की प्रजातियों का प्रदर्शन सेंटर

हरियाणवी स्वामिनाथ के आठके से स्वरूप बदलता सजा फूड कोर्ट

युवा टूरिज्म में हरियाणवी स्वामिनाथ के आठके से स्वरूप बदलते हुए फूड कोर्ट का उद्घाटन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ने भाग लिया।



फूड कोर्ट का उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ने भाग लिया।



एबी टूरिज्म सेंटर का उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ने भाग लिया।

जैव विविधता को दिवसों 550 पौधों की प्रजातियां

हरियाणवी स्वामिनाथ के आठके से स्वरूप बदलते हुए फूड कोर्ट का उद्घाटन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ने भाग लिया।

जैव विविधता को दिवसों 550 पौधों की प्रजातियां... इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	07.11.2023	--	--



हिसार: कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों को सराहा

16hr - 2 shares



कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने टीम को किया आभूत।

भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को सुखहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी।

हिसार, 7 नवंबर (हि.स.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कपास अनुभाग का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की।

वसंतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परबनी के पूर्व कुलपति डॉ. वी. वेंकटेश्वरु की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुखिया डॉ. ऋषि, यूएस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस. पाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीवी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भट्ट, ठीठक्यूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी यदुराव, सीआईसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के. वेम्पेरोगाने, सीआईसीआर कोयंबटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस. मनिक्कम शामिल रहें।

क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा एवं फसल सुधार के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहां कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत बौरा टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. शिवानी मानधनिया, डॉ. अनिल कुमार सेनी, डॉ. सोमदीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाक्षी जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम सांका उपस्थित रहे ने क्यूआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयारी की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान व डॉ. आरएस सांगवान भी मौजूद रहें।

क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवार्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. वी. वेंकटेश्वरु ने कपास अनुभाग के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध कराई जा ही सुविधाओं से सर्वश्रेष्ठ बताया। इस अवसर पर कुलपति ने क्यूआरटी टीम के सदस्यों को शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मल मलिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.11.2023	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, मंगलवार, 7 नवम्बर, 2023

कृषि उत्पादकों की वैल्यू एडिशन, बेहतर ब्रांडिंग व पैकेजिंग किसानों व कृषि उद्यमियों को देंगे अधिक लाभ : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हकृषि में रोल ऑफ एग्रीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यून

हिसार, 7 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की कार्डमिनिंग एवं फ्लेसमेंट मेल के द्वारा आईडीपी-नहोप प्रोजेक्ट के तहत रोल ऑफ एग्रीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उद्घाटन किया। इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल दीगड़ भी मौजूद रहे।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने संबोधित करते हुए कहा कि कृषि में भी रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, बस जरूरत है तो किसानों व कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने की। इसलिए विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर कृषि से संबंधित विभिन्न



विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं ताकि इन प्रशिक्षण में भाग लेकर किसान व कृषि उद्यमी खासतौर पर नुवा किसान नई जनकारियां, नवखारों व प्रौद्योगिकियों से अपडेट हो सकें। मुख्यातिथि ने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय में नापाई व आस्केवीवार्ड के तहत स्थापित किए गए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर का शिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस सेंटर द्वारा एग्रीबिजनेस व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए

सहायता प्रदान की जा रही है ताकि वे अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकें और दूसरों को रोजगार प्रदान कर सकें। विश्वविद्यालय स्थित यह केंद्र न केवल चर्चित स्टार्टअप को तकनीकी सहायता प्रदान करता है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें अर्थिक सहायता भी प्रदान करता है।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम निदेशक डॉ. अतुल दीगड़ ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कृषि व्यवसाय एक ऐसा साधन है, जिससे किसान अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने युवाओं को शुद्ध का व्यवसाय शुरू करने के लिए इस प्रशिक्षण को अहम बताया। प्रशिक्षण के दौरान नसिक के डॉ. मुने इंसिस्ट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रति कुलकर्णी ने कहा कि कृषि विषय के विद्यार्थी किसानों के साथ जुड़कर फार्मर-प्रोड्यूसर समूह बनाकर उन्हें अधिक लाभ दिला सकते हैं तथा उनका यह प्रयास राष्ट्रीय पुनः निर्माण में अत्यंत सहायक साबित होगा।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक (कार्डमिनिंग एवं फ्लेसमेंट) डॉ. सुबोध अग्रवाल ने भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के लिए आश्वासन दिया। डॉ. अमिता गिरधर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुरील लेगा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. सुमन गजरायत भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	07.11.2023	--	--

मंगलवार, 7 नवंबर, 2023 | हिसार

2

हकृति में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यो व सुविधाओं को सराहा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने टीम को किया आश्चस्त कि भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

समस्त हरियाणा न्यून
हिसार, 7 नवंबर। भारतीय कृषि
अनुसंधान परिषद की पंचवर्षीय समीक्षा
टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह
विश्वविद्यालय के कृषि
कार्यविधायक के अंतर्गत कपास अनुसंधान
का दौरा किया और यहां जारी
अनुसंधानों को सराहा की। असेसमेंट
समय परराष्ट्र कृषि विज्ञानी, फारसी
के पूर्व कुलपति डॉ. पी.बी.के.एस. को
अध्यक्षता में आई इस टीम में भारत के
डॉ. आई.सी. आर. के कुलपति डॉ. बी.ए.
ए.एस. काम्बोज के पूर्व अनुसंधान
निदेशक डॉ. सोहन एम.जी.ए. को
दिल्ली के एन.आई.सी. को में प्रमुख
विज्ञानिक डॉ. एस.आर. एन. डी. उम्रान्,
आर. कलकत्ता के पूर्व निदेशक डॉ. एस.
डी. अहूजा एम. सी. ए. आई.आर.
बैंगलूर के पूर्व निदेशक डॉ. जॉर्ज
आर.ब्राउन, भारत के सी.आई.सी.आर.
के पूर्व कुलपति डॉ. डी. वॉश, डॉ. आई.
आ. सी. जे. डी. पूर्व के पूर्व निदेशक



डॉ. डी. वॉश, सी.आई.सी.आर. बलूर
के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के. वेल्पोटिंगे,
सी. आई. सी. आर. कोयंबटोर के
प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.पि.के.ए.ए.
सी. क्यूआरटी टीम ने कपास अनुसंधान
के सभी सोच बेशर्त सराहा।
असल मुश्किल एवं कपास सुधार के
अंतर्गत लगाने एवं परीक्षणों का
आयोजन किया, आई कपास अनुसंधान

के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र का
विस्तृत दौरा टीम को दिया। उद्योग
कृषि कार्यविधायक में आयोजित बैठक,
विश्व कपास अनुसंधान के प्रमुख डॉ.
अरुण शर्मा, डॉ. विजय सुंदर, डॉ.
शिवानी साधुनिया, डॉ. अजित कुमार
सेने, डॉ. सोमवीर, डॉ. अरुण कुमार,
डॉ. विजयेश आर. डॉ. अमित व डॉ.
सुधा शर्मा उपस्थित रहे। क्यूआरटी

टीम को सभी तक हुए वैज्ञानिक कार्य
व सौजन्य के लिए कृतज्ञता की गई
संभवताओं से संबंधित प्रस्तुतियां कीं। इस
बैठके पर कपास अनुसंधान के प्रति
विश्वीय वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान
व डॉ. आर. एस. सोमनाथ भी मौजूद
रहे। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. पी.आर. काम्बोज से
शुक्रार्थ का सभी उपस्थित निदेशक के

को में अपने विचार साझा किए।
पंचवर्षीय समीक्षा टीम का नेतृत्व कर
रहे डॉ. पी.बी.के.एस. ने कपास
अनुसंधान के सभी सोच कार्यो व उनके
लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं
को प्रशंसा की और इन्हें इस बात के
सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध कराई
जा हो सुविधाओं से अवगत कराया।
जिस पर कुलपति ने विश्वविद्यालय में
संश्लेषण समस्त सदस्यों का आभार
जताया। टीम की कुलपति ने टीम को
आश्वासन दिया कि किसानों को खुशहाली
के लिए इन सभी प्रकार विभिन्न प्रयत्नों
एवं कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा
रहे सोच का साथ व केवल इच्छित
अनुसंधानों पर ही ध्यान को मिले।
इस अवसर पर कुलपति ने क्यूआरटी
टीम के सदस्यों को सौजन्य एवं सुविधा
के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। और डॉ.
कपास अनुसंधान के प्रमुख डॉ. अरुण
शर्मा ने सभी सदस्यों को आभार ज्ञापित
किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वावेद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र ७५	07.11.2023	--	--

हिसार

मंगलवार, 07 नवंबर 2023

मविध्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी, कुलपति प्रो. काम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त हकृवि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

कांग्रेस न्यूज

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचसत्रीय समन्वयक टीम (क्युआरटी) ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कृषि विश्वविद्यालय के कृषि प्रशासित्व के अंतर्गत कपास अनुसंधान का दौरा किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि विद्यार्थियों, कर्मियों के पूर्व क्युआरटी डॉ. बी.बी.टोमर की अध्यक्षता में आई इस टीम में विद्या के डॉ.आई.सी.आर. के मुखिया डॉ. अमि, कु.प्र.प्र. का.क. के पूर्व अनुसंधान विद्वान डॉ. सोहन चरण सिंह, डॉ. दिनेश के एन.आई.पी.डी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एन.आर. शर्मा, सी.आई.ए.आर. का.क. के पूर्व निदेशक डॉ. एन.टी.सुब्बु, एन.सी.आई.आर. के पूर्व निदेशक डॉ. अशोक आर.बलराम, विद्या के डॉ.आई.सी.आर. के पूर्व मुखिया डॉ. डॉ. जे.ए. डॉ.आई.आर.सी.डी. के पूर्व निदेशक



डॉ. चेतन, डॉ.आई.सी.आर. का.क. के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के.के.सिंह, डॉ.आई.सी.आर. कोयंबटोर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एन.एच.कमल सहित रहे।

क्युआरटी टीम ने कपास अनुसंधान के सभी क्षेत्रों का दौरा किया, जहां कपास अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने क्षेत्र का विस्तृत ब्रीफ टीम को दिया। इसी दिन मविध्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कपास अनुसंधान के प्रभारी डॉ. अमित सोहन, डॉ. विद्यामन पुंडी, डॉ. सिद्धी महर्षि, डॉ. अमित कुमार सेठी, डॉ. सोहन, डॉ. सोहन कुमार, डॉ. अमित, डॉ. अमित व डॉ. सुभ्रम लंबा सहित रहे। क्युआरटी टीम को सभी क्षेत्रों का विस्तृत ब्रीफ देकर टीम को आश्वस्त किया। इस बैठक का उद्देश्य कपास अनुसंधान के क्षेत्रों की समीक्षा करना था।

क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का उच्च स्तर का स्वागत किया। पंचसत्रीय समन्वयक टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.बी.टोमर ने कपास अनुसंधान के सभी क्षेत्रों का ब्रीफ देकर टीम को आश्वस्त किया। इस बैठक का उद्देश्य कपास अनुसंधान के क्षेत्रों की समीक्षा करना था।

क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का उच्च स्तर का स्वागत किया। पंचसत्रीय समन्वयक टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.बी.टोमर ने कपास अनुसंधान के सभी क्षेत्रों का ब्रीफ देकर टीम को आश्वस्त किया। इस बैठक का उद्देश्य कपास अनुसंधान के क्षेत्रों की समीक्षा करना था।

क्युआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का उच्च स्तर का स्वागत किया। पंचसत्रीय समन्वयक टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. बी.बी.टोमर ने कपास अनुसंधान के सभी क्षेत्रों का ब्रीफ देकर टीम को आश्वस्त किया। इस बैठक का उद्देश्य कपास अनुसंधान के क्षेत्रों की समीक्षा करना था।

